for lower production are :—

1. Severe power restrictions from DVC.
2. Problems of adjustment to change work practices adopted to achieve better organizational and technological discipline.
3. Oxygen shortage at Bokaro due to damage to a turbo compressor on account of an accident in July, 1986.
4. Fire in July 1986, in the new captive power plant of Bokaro, this put Unit No. 1 out of commission.
5. Break-down in Blast Furnace No. 6 of Bhilai during September. 1986, leading to its stoppage for 19 days.

(b) The saleable steel production target of the SAIL steel plants for 1986-87 was 7.2 million tonnes against which SAIL expects to produce about 6.55 millon tonnes.

(c) Government have decided to give larger autonomy to SAIL to further improve its functioning and to increase its accountability to Government. It is envisaged that an Annual Perfoimance Plan consisting of annual targets and product-mix will be drawn up between the Ministry and SAIL, and SAIL will be held accountable for shortafalls in production, profits and proper maintenance of equipment. It will also be required to draw up and adhere to a Schedule of project implementation so as to ensure that progress is closely monitored. SAIL seeks to generate its own resources for capital investment. Based on this plan SAIL will be given an additional financial powers for capital investments and will be competent to sanction replacements and renewals of assets upto Rs. 50 crores and additions and new investments upto Rs. 20 crores. It will also be delegated powers to introduce shemes for incentives, rewards, voluntary retirement, retrenchment etc. subject to the total annual expenditure on these shemes not substantially exceding their present percentage to basis wage and D.A. for the year.

बाढ़ से प्रभावित व्यक्ति

498. **श्री रामाचन्द्र विकल :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वर्ष के दौरान बाढ़ से राज्यवार कितने-कितने व्यक्ति प्रभावित हुए हैं, सरकार द्वारा बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुचाने के लिए राज्य-वार दी गयी सहायता का ब्योरा क्या है ; और

(ग) क्या सरकार बाढ़ संभावित राज्यों के बारे में स्थायी आधार पर उपचारी कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना): (क) राज्य संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त अस्थायी जानकारी के अनुसार 1986 के मानसून अवधि के दौरान 483 लाख से अधिक व्यक्ति बाढ़, समुद्री तूफान से प्रभावित हुए हैं । राज्य वार जानकारी संलग्न विपणन में दी गई है (नीचे देखिये)

(ख) 1986 के मानसून अवधि के दौरान प्रभावित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए अब तक मंजूर किए गए बाढ़ राहत संबंधी व्यय की राज्य-वार उच्चतम सीमाएं नीचे दी गई हैं :—

1. आन्ध्र प्रदेश	132.37
2. पंजाब	18.08
3. राजस्थान	7.59
4. केरल	26.67
5. महाराष्ट्र	5.86
6. पांडिचेरी	0.44

(ग) बाढ़ नियंत्रण राज्य का विषय है और राज्य सरकारें बाढ़ नियंत्रण की योजनाएं बनाती हैं और कार्यान्वित करती हैं। इन योजनाओं में नये बांधों का निर्माण, निकासी के जलमार्ग का निर्माण, ग्रामों आदि की उन्नति करना शामिल है।

विवरण

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त अस्थायी जानकारी के आधार पर 1986 के दौरान मानसून अवधि के दौरान बाढ़/समुद्री तूफान आदि से प्रभावित व्यक्तियों की संख्या

क्रम० संख्या	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्रभावित आबादी संख्या लाख में
1	आन्ध्र प्रदेश	76.30
2	असम	23.45
3	बिहार	70.60
4	हरियाणा	0.38
5	हिमाचल प्रदेश	सू० न०
6	जम्मू व कश्मीर	1.43
7	कर्नाटक	सू० न०
8	केरल	82.00
9	मध्य प्रदेश	7.25
10	महाराष्ट्र	2.18
11	उड़ीसा	29.86
12	पंजाब	सू० न०
13	राजस्थान	2.33
14	उत्तर प्रदेश	59.41
15	पश्चिमी बंगाल	121.40
16	पांडिचेरी	सू० न०
17	सिक्किम	0.52
18	मणिपुर	6.00
19	नागालैंड	सू० न०
		483.01

सू० न०—सूचित नहीं किया गया है।